पृष्ठ 68

सुझाई गई गतिविधियाँ केवल सुझाव मात्र हैं। इन्हे बदल कर भी कराया जा सकता है। इनके अलावा और गतिविधियाँ भी सोचें व कराएँ।
- सभी गतिविधियाँ लगातार एक के बाद एक न कराएँ। अगले पन्नों की कुछ गतिविधियां करके वापस इस पन्ने पर लौटें।
- ठोस वस्तुओं व कार्डों का अधिक से अधिक उपयोग करें।
- बच्चों को बोलने के पर्याप्त मौके दें। मौलिकता व कल्पनाशीलता पर ज़ोर दें। शुद्ध उच्चारण व भाषा की अपेक्षा कम करें। मातृ भाषा के उपयोग को न रोकें-टोकें।

गतिविधियाँ -

- चित्रों पर चर्चा ।
- चित्रों पर कहानी एक मेंढक था वह जा रहा था उसे एक चूजा चिड़िया मिला इस प्रकार पात्र जुड़ते जाएँ, घटनाएँ जुड़ते जाएँ । बच्चे सही चित्र पर उंगली रखे। आखिरी चित्र मेंढक के पानी में कूदने का है कहानी आगे बढ़ाएँ।
- मेंढक, चूहा चींटा आदि लिखना, पढ़ना।
- हर चित्र में गिनना कितने हैं?

पृष्ठ 65 से 68 के लिए कुछ और गतिविधियाँ

- जब चित्र पर चर्चा और कहानियां कई बार हो चुकी हों और अधिकांश बच्चे कहानी का क्रम पकड़ लेते हो, तब दोनों पन्ने छेद हुए तरफ से फड़वा लें। फिर पृष्ठ 66 और पृष्ठ 67 पर दी गई लाईनों पर दोनों पृष्ठों को मुड़वाकर 6-6 भागों में कटवा लें या कोई सीधी चीज रखकर फड़वा लें। इस काम में बड़े बच्चों की मदद् भी ली जा सकती है।

जब दोनों पन्नों के टुकड़े हो जाएँ तो हरेक उसे सही क्रम में जमाने का काम करे। काम में मदद् करने के लिए शिक्षक कहानी सुनाते जाएँ और बच्चे उपयुक्त चित्र उठाते जाएं। एक बार में पृष्ठ 65 या पृष्ठ 66, 67 या पृष्ठ 68 जमवाएँ ।

इस पन्ने पर आपने कौन सी गतिविधियाँ कराईं-

दिनांक	गतिविधि	दक्षताएँ	समय	सामग्री

आपने इस पन्ने पर अपनी तरफ से कौन सी नई गतिविधियाँ बनाईं व कराईं (संक्षिप्त विवरण)

आपको व बच्चों को कौन सी गतिविधियों में ज्यादा मज़ा आया? किनमें दिक्कत आई?

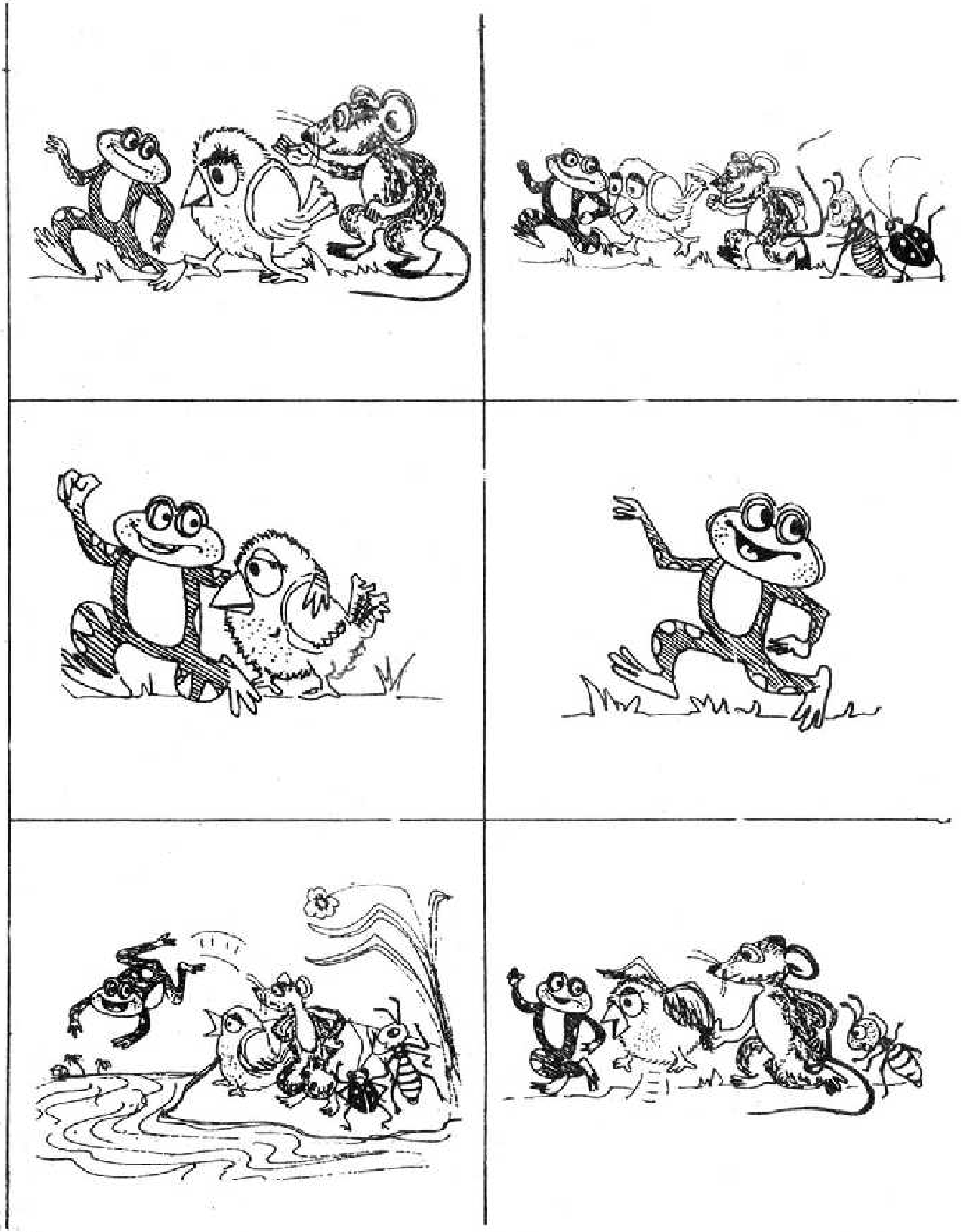

प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम (नवाचार)पाठ्यक्रम - कक्षा पहली

पहला चरण

1. बच्चे शिक्षक के निर्देशों के अनुसार काम कर सके - घेरे में, समूह में, लाईन में बैठना, चीजें लाना, रखना, इस्तेमाल करना।

2. ध्यान से सुनें और बेझिझक अपनी बात कहे सकें : तरह तरह की आवाजों की नकल करें, नई आवाज़ें निकालें। कहानी-कविता सुनें बोलें। किसी घटना या बात का वर्णन दें। चित्रों को देखें, उन पर बातें करें, क्रियात्मक चित्रों पर कहानी या वाक्य बनाएँ बताएँ।

3. शारीरिक नियंत्रण का विकास कर सकें - स्वतंत्र चित्र बना सके सोची हुई आकृति मिट्टी से बनाना, जमीन पर खींची लाईन पर चलना, व्यायाम, रस्सी कूद, मैदानी खेल।

4 ठोस वस्तुओं (बीज, कंकड, पत्ती, कागज आदि) को इकट्ठा कर के आकार, रंग, संख्या, आदि के आधार पर छाँट सकें, जमा सकें व उनके बारे में बातचीत कर सकें।

5. विभिन्न वस्तुओं व समूहो में अन्तर समानता आदि बातों का अवलोकन करें, बताएँ।

6.आकृति पहचान : विभिन्न आकृतियाँ पहचानें,-जैसे गोल, चौकोर, आदि गीली मिट्टी, कागज, ईंट आदि से विभिन्न आकृतियाँ बनाएँ। एक सी आकृति मिलाएँ व अलग आकृति अलग कर पाएँ- शब्द, अक्षर,व अंक कार्ड से भी।

7. पढ़ना पूर्व की प्रक्रियाएँ करें - गाई गई कविता या सुनी गई कहानी तख्ते पर लिखे हों और शिक्षक उंगली रखकर पढ़ता जाए तो बच्चे उन्हें साथ में गाएँ, बोलें। कविता का पहला व आखिरी शब्द पहचानें।बच्चों ने चित्रकार्ड के जो नाम बताएँ हों, शि::क उन्हें तख्ते पर लिखे, बच्चे पहचाने।

8. लिखने पूर्व की तैयारी : हाथ संतुलित करके निश्चित क्रय में आकृतियाँ बनाएँ- स्लेट पर, मिट्टी में आदि।

पहले चरण में ज़ोर बच्चे की झिझक तोड़ने व गतिविधियों में उसकी रुचि बनाने पर है। दूसरे चरण से ज़ोर पहले चरण की बातों के साथ साथ भाषा व गणित के कौशलों से संबंधित गतिविधियों की शुरूआत पर है।

<u>दूसरा चरण</u>

1.सुनने, बोलने के अभ्यास करें - ध्वनियाँ पहचाने, नई ध्वनियाँ बनाएँ, तुकबन्दी वाले शब्द बनाएँ, हाव भाव के साथ खुल कर कई तरह की कविताएं गाएं - ध्वनि से संबंधित, विवरणात्मक, घटना पर

आधारित, अवधारणाओं पर आधारित कविताएं आदि सुनें व गाएं। कहानियों व चित्रों पर ध्यान में, चर्चा करें। रोलप्ले करे - लोगों, जानवरों आदि की नकल या रसोई घर, बजार रेलगाड़ी का रोलप्ले आदि।

2. लम्बाई व आकार आदि के आध।र पर चीज़ों को क्रम में जमाएँ, क्रम वाली कहानी सुनें, समझें, सप्ताह के दिनों के नाम क्रम में बोलें, केवल नाम याद करने तक की अपेक्षा रखें।

3. बराबर की अवधारणा समझें - कागज़ को दो बराबार टुकड़ों में फाड़ें, बराबर वस्तुएँ छाँट सकें आदि।

4. शारीरिक नियंत्रण के अभ्यास करें।

4. ऊपर नीचे, आगे पीछे, इधर उधर, अन्दर बाहर की अवधारणाओं का अभ्यास करें।

5. दो वस्तुओं या चित्रो में बारीक अवलोकन कर के अन्तर व समानताएँ बताएँ।

6. गिनने के अभ्यास करें व ठोस वस्तुओं के ढेर से असमान वस्तु छांटकर अलग रख सकें; एक से एक संगीत के अभ्यास करे; एक और की अवधारणा के अभ्यास करें; कंकड़, बीज आदि चीजों की 1 से 10 वस्तुएँ गिन सकें, ठोस वस्तुओ की सहायता से जोड़ना घटाना शुरू करें।0 को कुछ नही के रूप मे पहचाने।

7. 0 से 9 तक अंक पहचाने व बिंदी कार्ड की सहायता से सही अंक को सही संख्या से मिला सकें।

8..शब्द व अक्षर पहचान के अभ्यास करें- चित्र-शब्दकार्ड व अक्षर कार्ड द्वारा, कहानी कविता द्वारा, चर्चाओं के शब्दों को तखते पर लिखा देखने के द्वारा व उनकी नकल करने के द्वारा।

9. कुछ अक्षर पहचाने व उनसे शब्द बना सके।

10. लिखने के अभ्यास करे- कहानी, कविता, चित्र, चर्चा में उभरे शब्दों या वाक्यों को तख्ते पर से देखकर नकल उतारें, उनमें अक्षर पहचानें। आकृति व पैटर्न की नकल उतारे व फॉर्म ड्राईंग करें, कागज़ पर पेन्सिल चलाने का अभ्यास करे., स्वतंत्र चित्र बनाएँ।

तीसरा चरण

1. सुनने बोलने के अभ्यास करें- टोलियों में बच्चे कार्ड व डाईस से कई खेल खुद से संचालित कर के खेलें। अधिकांश बच्चे कहानियाँ कविताएँ खुद सुनाएँ, कहानी कविताओं को सुनने के बाद क्या कब कितना जैसे सवालों के जवाब दे सकें।

2. शारीरिक नियंत्रण के अभ्यास करें - टीम में सहयोग की भावना के साथ खेलें।

3. अवलोकन व अन्तर समानता - दो गुणों के आधार पर चीज़ों का समूहीकरण करें। चित्रों मे अन्तर - समानता बता सके।

4. जगह की समझ बनाएँ- चीजों की क्रम में जमाएँ, पैटर्न बनाए व बने हुए पैटर्न को आगे बढ़ाएं, बारीक अन्तर के साथ आकृतियाँ पहचाने दाएं बाएं, ऊपर नीचे, पास दूर, इधर उधर की अवधारणाओं पर आधारित गतिविधियां जल्दी जल्दी कर सकें। अमानक इकाइयों में लम्बाई व आयतन नापें।

5. गिनने के अभ्यास करें- ठोस वस्तुओं को गिनें, कहीं गई संख्या के ढेर बनाएँ, अधिक व कम के क्रम में

जमाएँ, 'एक और' की अवधारणा का अभ्यास करें, ठोस वस्तुओं, चित्रो व अंको के साथ एक अंक के साधारण जोड़ व घटा करें।

6. 50 तक गिन सके। 50 तक अंक पहचान व लिख सकें। 20 तक किसी भी संख्या से एक अधिक व एक कम बता सके, दहाई व इकाई पहचानें।

7. सिक्कों, नोटों को पहचानें।

8. पढ़ने लिखने के अभ्यास करें- शब्दों को ध्वनि में तोड़ सकें (अक्षर व मात्राओं में)। अक्षर व मात्रा को जोड़कर कुछ नए शब्द बनाएँ व उन्हें पढ़ें। पुस्तकालय की किताबों को देखें व उनमें शब्द पहचानने की कोशिश करें। कहानी सुनकर, समझकर उन पर चित्र बनाएँ, परिचित शब्दों को तख्ते पर से देखकर लिखें। परिचित छोटे शब्दों को सुनकर लिखें। अक्षरों की ध्वनियो को सुनकर उन्हें लिख सकें।

हमारा मानना है कि सीखने-सिखाने में अपरिवर्तनीय व सार्वभौमिक क्रमबद्धता नहीं होती। हमारी जिम्मेदारी उपयुक्त माहौल बनाने की और रोचक गतिविधि करने की है। उससे बच्चा क्या और कितना सीख पाता है ,उसमें निश्चितता नहीं है। इस कक्षा के अंत तक आते-आते यह आवश्यक हो जाता है कि बच्चों को स्कूल एक सार्थक सिखाने योग्य ढांचा लगे। वे स्कूल आना चाहें और सीखना चाहें।

यह भी आवश्यक है कि उन्हें लगे कि वे सीख सकते हैं। यह उतना ही महत्वपूर्ण है जितना यह कि वे गिनना जानते हैं, अक्षर., शब्द वाक्य पढ़ सकते हैं । हम यह भी कहना चाहेंगे कि हमारी राय में यह आवश्यक नहीं कि सभी बच्चे एक स्तर हासिल कर लें। इस कक्षा में बच्चों को रोकना मात्र इसी बात पर निर्भर कर सकता है कि शिक्षक माने कि उनका आगे की कक्षा में पढ़ने मे इतनी कठिनाई होगी कि उसके आत्मविश्वास पर नकारात्मक असर पड़ेगा ।

बच्चो को कक्षा एक मे नही रोकने का यह मतलब नही कि मूल्यांकन न किया जाए। कक्षा एक मे सतत् आंकलन की आवश्यकता है। इस आंकलन का उद्देश्य भी स्पष्ट है- यह जानना कि विभिन्न बच्चे सीखने की किस स्थिति मे है,और उनके साथ किस तरह की गतिविधियाँ करने की ज़रूरत है। आंकलन का सब से अच्छा तरीका है - गतिविधि के दौरान आंकलन बिन्दु नोट करना। साथ मे कुछ प्रश्न भी पूछे जा सकते है , जिनका उत्तर बच्चे एक या दो शब्द लिखकर भी दे सकते है।

कवर पृष्ठ एवं पीछे का अन्दर का कवर

गतिविधियाँ

- कवर पर कुछ कहानियों के चित्र हैं। बच्चों को चित्रों पर बातचीत करने दें।
- चित्रों में बारीक अन्तर पहचानना जैसे पहले कवर पर पहले चित्र में बीच में एक चिड़िया और दोनों तरफ दो बिल्लियाँ बैठी हैं। दूसरे चित्र में लगभग वही है पर दोनों बिल्लियाँ चिड़िया पर झपट रही हैं। इस तरह के बारीक अन्तर समझ कर उन पर बातचीत करना और कहानी समझना।
- कहानी में क्रम समझना।
- कहानी में आए पात्रों के चित्र कार्ड व शब्द कार्ड ढूंढना, शब्द बनाना, लिखना।
- पिछले अन्दर के कवर पर कुछ जानवर और पक्षी के चित्र है; जिन्हें अंकों के बिन्दु क्रमवार मिलाकर पूरा करना है। कुछ चित्र कम अंकों से बनते हैं। इन्हें पहले पूरा कराएँ।
- चित्र पूरा करने के बाद, उन पर चर्चा। पात्रों की विशेषताओं पर चर्चा- बच्चों से बातचीत करके पात्रों के व्यक्तित्व उभारें। जैसे मुर्गा अकड़ू है। सोचता है कि उसके बिना किसी का काम नहीं चल सकता या किसी भी जानवर की आवाज़ निकाल सकता है।
- इन पात्रों के साथ कई तरह की कहानियाँ बनाना।
- रोज़ अलग अलग कहानी हो सकती है - पात्र वही रहें। कहानी जितनी कल्पनात्मक और रोचक हो उतना अच्छा है।

नोटः - कवर पृष्ठ भी पन्नों की तरह उपयोग के लिए हैं।

- कहानियों में कल्पनात्मकता विकसित करना ज़रूरी है।

- बच्चों में कहानी कहने की क्षमता, तरह-तरह की कहानियाँ सुनकर ही आएगी। इसलिए इस तरह की कई गतिविधियाँ कराएँ।

इस पन्ने पर आपने कौन सी गतिविधियाँ कराईं-

दिनांक	गतिविधि	दक्षताएँ	समय	सामग्री

आपने इस पन्ने पर अपनी तरफ से कौन सी नई गतिविधियाँ बनाईं व कराईं (संक्षिप्त विवरण

आपको व बच्चों को कौन सी गतिविधियों में ज्यादा मज़ा आया? किसमें दिक्कत आई?

एकलव्य
चक्कर रोड मालाखेड़ी
होशंगाबाद (म.प्र.) 461001
फोन (07574)

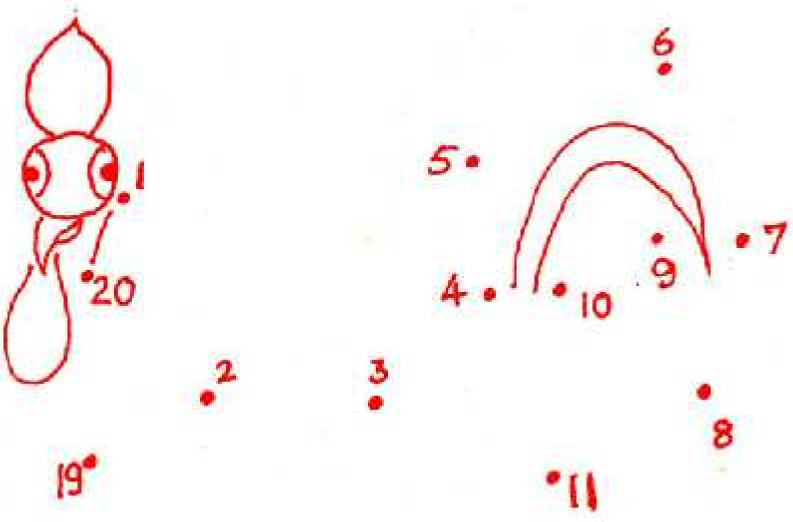

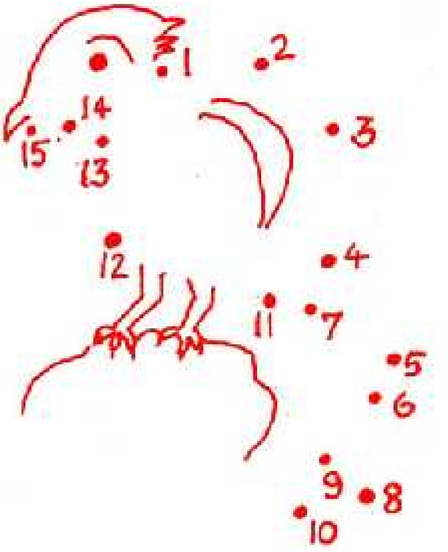

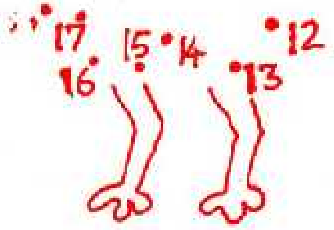

EKLAVYA LIBRARY, HOSHANGABAD

Ph. 277267, 277268

email : hoshangabad.library@eklavya.in

DUE DATE	DUE DATE
19 MAY 2009	

निर्धारित दिनांक तक पुस्तक जमा न करने पर विलम्ब शुल्क देय होगा।